

**Resource: अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)**

**unfoldingWord® Translation Questions** © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license. unfoldingWord® Translation Questions has been adapted in the following languages: Tok Pisin, Arabic (عربي), French (Français), Hindi (हिंदी), Indonesian (Bahasa Indonesia), Portuguese (Português), Russian (Русский), Spanish (Español), Swahili (Kiswahili), and Simplified Chinese (简体中文) from unfoldingWord® Translation Questions © 2022 unfoldingWord. Released under CC BY-SA 4.0 license by Mission Mutual

## अनुवाद प्रश्न (unfoldingWord)

# 1CO

[illegible]

**1 कुरिन्थियों 1:1**

**पौलुस को किसने और किसके लिए बुलाया गया?**

यीशु मसीह ने पौलुस को प्रेरित होने के लिए बुलाया।

**1 कुरिन्थियों 1:3**

**पौलुस क्या चाहता है कि हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह से कुरिन्थ की कलीसिया को मिले?**

पौलुस चाहता है कि हमारे पिता परमेश्वर और प्रभु यीशु मसीह की ओर से उन्हें अनुग्रह और शान्ति मिलती रहे।

**1 कुरिन्थियों 1:5**

**परमेश्वर ने कुरिन्थुस में कलीसिया को कैसे धनी किया?**

परमेश्वर ने उन्हें हर बात में अर्थात् सारे वचन और सारे ज्ञान में धनी किया।

**1 कुरिन्थियों 1:7**

**कुरिन्थुस की कलीसिया में किस चीज़ की घटी नहीं थी?**

किसी भी आत्मिक वरदान में उन्हें घटी नहीं थी।

**1 कुरिन्थियों 1:8**

**परमेश्वर कुरिन्थुस की कलीसिया को अंत तक क्यों दृढ़ करेगा?**

वह उन्हें अंत तक दृढ़ करेगा, ताकि वे हमारे प्रभु यीशु मसीह के दिन में निर्दोष ठहरे।

**1 कुरिन्थियों 1:10**

**पौलुस कुरिन्थुस की कलीसिया से क्या विनती करता है?**

पौलुस उनसे विनती करता है कि वे सब एक ही बात कहे और उनमें फूट न हो, परन्तु एक ही मन और एक ही मत होकर मिले रहे।

**1 कुरिन्थियों 1:11**

**खलोए के लोगों ने पौलुस को क्या बताया?**

खलोए के लोगों ने पौलुस को बताया कि कुरिन्थुस की कलीसिया में झगड़े हो रहे हैं अर्थात् गुटबाजी हो रही है।

**1 कुरिन्थियों 1:12**

**पौलुस का गुटबाजी से क्या अर्थ था?**

पौलुस का अर्थ था: तुम में से कोई तो अपने आपको “पौलुस का,” या कोई “अपुल्लोस का,” या कोई “कैफा का,” या कोई “मसीह का” कहता है।

**1 कुरिन्थियों 1:14-15**

**पौलुस परमेश्वर का धन्यवाद क्यों करता है कि उसने क्रिस्पुस और गयुस को छोड़कर उनमें से किसी को भी बपतिस्मा नहीं दिया?**

पौलुस इसके लिए परमेश्वर का धन्यवाद करता है, क्योंकि कहीं ऐसा न हो अर्थात् उन्हें यह कहने का कोई अवसर न मिले कि उन्हें पौलुस के नाम पर बपतिस्मा मिला।

**1 कुरिन्थियों 1:17**

**मसीह ने पौलुस को क्या करने के लिए भेजा था?**

मसीह ने पौलुस को सुसमाचार सुनाने को भेजा।

**1 कुरिन्थियों 1:18**

**नाश होनेवालों के लिए क्रूस की कथा क्या है?**

क्रूस की कथा नाश होनेवालों के निकट मूर्खता है।

**1 कुरिन्थियों 1:18 (#2)**

**उद्धार पाने वालों के लिए क्रूस की कथा क्या है?**

यह उद्धार पानेवालों के निकट परमेश्वर की सामर्थ्य है।

**1 कुरिन्थियों 1:20**

**परमेश्वर ने संसार के ज्ञान को क्या ठहराया है?**

परमेश्वर ने संसार के ज्ञान को मूर्खता ठहराया है।

### 1 कुरिन्थियों 1:21

परमेश्वर को यह अच्छा क्यों लगा कि वह इस प्रचार की मूर्खता के द्वारा विश्वास करने वालों को उद्धार दें?

परमेश्वर को यह अच्छा लगा क्योंकि संसार ने ज्ञान से परमेश्वर को न जाना।

### 1 कुरिन्थियों 1:26

परमेश्वर ने मानवीय मानदंडों अर्थात् शरीर के अनुसार कितने ज्ञानवान, सामर्थी या कुलीन बुलाए?

परमेश्वर ने ऐसे बहुत से लोगों को नहीं बुलाया।

### 1 कुरिन्थियों 1:27

परमेश्वर ने जगत के मूर्खों और जगत के निर्बलों को क्यों चुन लिया?

उसने ऐसा ज्ञानियों को लज्जित करने और बलवानों को लज्जित करने के लिए किया।

### 1 कुरिन्थियों 1:28-29

क्या परमेश्वर ने ऐसा इसलिए किया ताकि प्राणी परमेश्वर के सामने घमण्ड न करने पाए?

परमेश्वर ने जगत के नीचों और तुच्छों को चुन लिया, यहाँ तक कि जो हैं भी नहीं उनको भी चुन लिया।

### 1 कुरिन्थियों 1:30

मसीह यीशु में विश्वासी क्यों थे?

वे मसीह यीशु में थे, क्योंकि परमेश्वर की ओर से ऐसा हुआ।

### 1 कुरिन्थियों 1:30 (#2)

मसीह यीशु हमारे लिए क्या ठहरा?

वह परमेश्वर की ओर से हमारे लिए ज्ञान ठहरा अर्थात् धार्मिकता, और पवित्रता, और छुटकारा।

### 1 कुरिन्थियों 1:31

यदि हम घमंड करे तो किस में घमंड करे?

जो कोई घमण्ड करे, वह प्रभु में घमण्ड करे।

### 1 कुरिन्थियों 2:1

पौलुस कुरिन्थियों के पास परमेश्वर का भेद सुनाते हुए किस प्रकार आया?

जब पौलुस परमेश्वर का भेद सुनाता हुआ उनके पास आया तो वचन या ज्ञान की उत्तमता के साथ नहीं आया।

### 1 कुरिन्थियों 2:2

जब पौलुस कुरिन्थियों के बीच में था, तो उसने क्या जानने का ठान लिया?

पौलुस ने यीशु मसीह, वरन् क्रूस पर चढ़ाए हुए मसीह को छोड़ और किसी बात को न जानने का ठान लिया।

### 1 कुरिन्थियों 2:4-5

पौलुस के वचन और प्रचार में ज्ञान की लुभानेवाली बातों के बजाय आत्मा और सामर्थ्य का प्रमाण क्यों था?"

यह इसलिए था ताकि उनका विश्वास मनुष्यों के ज्ञान पर नहीं, परन्तु परमेश्वर की सामर्थ्य पर निर्भर हो।

### 1 कुरिन्थियों 2:7

पौलुस और उसके साथी ने ज्ञान को किस प्रकार से बताया?

वे परमेश्वर का वह गुप्त ज्ञान, भेद की रीति पर बताते हैं, जिसे परमेश्वर ने सनातन से हमारी महिमा के लिए ठहराया।

### 1 कुरिन्थियों 2:8

यदि पौलुस के समय के हाकिमों ने परमेश्वर के ज्ञान को जाना होता, तो वे क्या न करते?

यदि उन हाकिमों ने परमेश्वर के ज्ञान को जाना होता तो तेजोमय प्रभु को क्रूस पर न चढ़ाते।

**1 कुरिन्थियों 2:10**

पौलुस और उसके साथियों ने परमेश्वर के ज्ञान को कैसे जाना?

परमेश्वर ने उनको अपने आत्मा के द्वारा उन पर प्रगट किया।

**1 कुरिन्थियों 2:11**

परमेश्वर की गहरी बातों को कौन जानता है?

केवल परमेश्वर का आत्मा ही परमेश्वर की गहरी बातों को जानता है।

**1 कुरिन्थियों 2:12**

पौलुस और उसके साथियों द्वारा परमेश्वर की ओर से आत्मा पाने का क्या कारण है?

उन्होंने वह आत्मा पाया है, जो परमेश्वर की ओर से है, कि वे उन बातों को जानें, जो परमेश्वर ने उन्हें दी हैं।

**1 कुरिन्थियों 2:14**

शारीरिक व्यक्ति परमेश्वर के आत्मा की बातें क्यों ग्रहण नहीं कर सकता या जान नहीं सकता?

शारीरिक मनुष्य परमेश्वर के आत्मा की बातें ग्रहण नहीं करता, क्योंकि वे उसकी दृष्टि में मूर्खता की बातें हैं, और न वह उन्हें जान सकता है क्योंकि उनकी जाँच आत्मिक रीति से होती है।

**1 कुरिन्थियों 2:16**

यीशु पर विश्वास करनेवालों के विषय में पौलुस ने उनके पास किसका मन होने के लिए कहा है?

पौलुस ने कहा कि उनके पास मसीह का मन है।

**1 कुरिन्थियों 3:3**

पौलुस ने क्यों कहा कि कुरिन्थ के विश्वासी अभी भी शारीरिक थे?

पौलुस ने कहा कि वे अभी भी शारीरिक थे क्योंकि उनमें ईर्ष्या और झगड़ा है।

**1 कुरिन्थियों 3:5**

कुरिन्थियों के लिए पौलुस और अपुल्लोस कौन थे?

वे सेवक थे जिनके द्वारा कुरिन्थियों ने मसीह में विश्वास किया।

**1 कुरिन्थियों 3:7**

बढ़ानेवाला कौन है?

परमेश्वर बढ़ानेवाला है।

**1 कुरिन्थियों 3:11**

नींव क्या है?

नींव यीशु मसीह है।

**1 कुरिन्थियों 3:11-13**

जो कोई यीशु मसीह की नींव पर निर्माण करता है, उसके कार्य का क्या परिणाम होगा?

उसका काम दिन में आग के साथ प्रगट हो जाएगा।

**1 कुरिन्थियों 3:13**

आग किसी व्यक्ति के काम के साथ क्या करेगी?

आग काम परखेगी कि कैसा है अर्थात् यह प्रकट करेगी कि प्रत्येक व्यक्ति ने जो कुछ किया है उसकी गुणवत्ता कैसी है।

**1 कुरिन्थियों 3:14**

यदि किसी व्यक्ति का काम उस आग में बना हुआ स्थिर रहेगा तो वह क्या पाएगा?

वह व्यक्ति मजदूरी पाएगा।

**1 कुरिन्थियों 3:15**

उस व्यक्ति का क्या होगा जिसका काम जल जाएगा?

वह व्यक्ति हानि उठाएगा, पर वह आप बच जाएगा, परन्तु जलते-जलते।

**1 कुरिन्थियों 3:16**

हम कौन हैं और यीशु मसीह में विश्वासियों के रूप में हमारे अन्दर क्या वास करता है?

हम परमेश्वर का मन्दिर हैं, और परमेश्वर का आत्मा हम में वास करता है।

**1 कुरिन्थियों 3:17**

यदि कोई परमेश्वर के मंदिर को नाश करेगा तो उसके साथ क्या होगा?

यदि कोई परमेश्वर के मन्दिर को नाश करेगा तो परमेश्वर उसे नाश करेगा।

**1 कुरिन्थियों 3:18**

पौलुस उस व्यक्ति से क्या कहता है जो इस संसार में अपने आपको ज्ञानी समझता है?

पौलुस कहता है, "...तो 'मूर्ख' बने कि ज्ञानी हो जाए।"

**1 कुरिन्थियों 3:20**

प्रभु ज्ञानियों के विचारों के विषय में क्या जानता है?

प्रभु ज्ञानियों के विचारों को जानता है, कि व्यर्थ हैं।

**1 कुरिन्थियों 3:21-23**

पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों से मनुष्यों के बारे में घमण्ड नहीं करने के लिए क्यों कहता है?

उसने उनसे घमण्ड नहीं करने के लिए कहा, "क्योंकि सब कुछ तुम्हारा है," और क्योंकि, "... तुम मसीह के हो, और मसीह परमेश्वर का है।"

**1 कुरिन्थियों 4:1**

पौलुस ने कुरिन्थ वासियों को पौलुस और उसके साथियों को क्या समझने के लिए कहा?

कुरिन्थवासी उन्हें मसीह के सेवक और परमेश्वर के भेदों के भण्डारी समझे।

**1 कुरिन्थियों 4:2**

एक भण्डारी के लिए क्या बात देखी जाती है?

भण्डारी विश्वासयोग्य होना चाहिए।

**1 कुरिन्थियों 4:4**

पौलुस अपना परखने वाला किसे कहता है?

पौलुस कहता है कि उसका परखनेवाला प्रभु है।

**1 कुरिन्थियों 4:5**

जब प्रभु आएगा तो वह क्या करेगा?

वह अंधकार की छिपी बातें ज्योति में दिखाएगा, और मनो के उद्देश्यों को प्रगट करेगा।

**1 कुरिन्थियों 4:6**

पौलुस ने इन बातों को अपने और अपुल्लोस पर क्यों लागू किया?

पौलुस ने कुरिन्थ के विश्वासियों के लिए यह किया ताकि वे इसका अर्थ सीखें, "लिखे हुए से आगे न बढ़ना," ताकि उनमें से कोई भी एक के पक्ष में और दूसरे के विरोध में गर्व न करें।

**1 कुरिन्थियों 4:8**

पौलुस क्यों चाहता है कि कुरिन्थ के विश्वासी राज्य करें?

पौलुस चाहता है कि जब कुरिन्थ के विश्वासी राज्य करते तो वे अर्थात् पौलुस और उसके साथी भी उनके साथ राज्य करते।

**1 कुरिन्थियों 4:10**

पौलुस ने किन तीन प्रकारों से स्वयं और अपने साथियों की तुलना कुरिन्थ के विश्वासियों से की है?

पौलुस कहता है, "हम मसीह के लिए मूर्ख हैं; परन्तु तुम मसीह में बुद्धिमान हो; हम निर्बल हैं परन्तु तुम बलवान हो। तुम आदर पाते हो, परन्तु हम निरादर होते हैं।"

**1 कुरिन्थियों 4:11**

पौलुस ने प्रेरितों की शारीरिक स्थिति का वर्णन किस प्रकार किया?

पौलुस ने कहा कि वे भूखे प्यासे और नंगे हैं, और घूसे खाते हैं और मारे-मारे फिरते हैं।

### 1 कुरिन्थियों 4:12-13

जब पौलुस और उसके साथियों के साथ दुर्व्यवहार किया गया, तो उन्होंने किस प्रकार प्रतिक्रिया दी?

जब उन पर हमला हुआ, तो उन्होंने आशीर्ष दी। जब उनको सताया, तो उन्होंने सहा। जब उनको बदनाम किया, तो उन्होंने विनती की।

### 1 कुरिन्थियों 4:14

पौलुस ने कुरिन्थ के विश्वासियों को ये बातें क्यों लिखीं?

उसने उन्हें अपने प्रिय बालक जानकार चिताने के लिए लिखा।

### 1 कुरिन्थियों 4:16

पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों से किसके जैसी चाल चलने के लिए कहता है?

पौलुस उनसे विनती करता है कि उसके जैसी चाल चले।

### 1 कुरिन्थियों 4:17

पौलुस ने तीमुथियुस को कुरिन्थ के विश्वासियों को क्या स्मरण कराने के लिए भेजा?

पौलुस ने तीमुथियुस को कुरिन्थ के विश्वासियों को मसीह में पौलुस का चरित्र स्मरण कराने के लिए भेजा।

### 1 कुरिन्थियों 4:18

कुछ कुरिन्थ के विश्वासी कैसा आचरण कर रहे थे?

उनमें से कितने तो ऐसे फूल गए थे मानो पौलुस उनके पास आने ही का नहीं।

### 1 कुरिन्थियों 4:20

परमेश्वर का राज्य किसमें है?

परमेश्वर का राज्य सामर्थ्य में है।

### 1 कुरिन्थियों 5:1

पौलुस ने कुरिन्थुस की कलीसिया के बारे में क्या खबर सुनी?

पौलुस को यहाँ तक सुनने में आया कि वहाँ व्यभिचार होता है। उनमें से एक पुरुष अपने पिता की पत्नी को रखता है अर्थात् उसके साथ सोता है।

### 1 कुरिन्थियों 5:2

पौलुस ने उस व्यक्ति के साथ क्या करने के लिए कहा, जिसने अपने पिता की पत्नी के साथ पाप किया है?

जिसने अपने पिता की पत्नी के साथ पाप किया है, उसे उनके बीच में से निकाला जाए।

### 1 कुरिन्थियों 5:4-5

उस व्यक्ति को, जिसने अपने पिता की पत्नी के साथ पाप किया था, कैसे और क्यों निकाला जाना चाहिए?

जब कुरिन्थ की कलीसिया प्रभु यीशु के नाम पर इकट्ठी हों तो ऐसा मनुष्य, शरीर के विनाश के लिए शैतान को सौंपा जाए, ताकि उसकी आत्मा प्रभु यीशु के दिन में उद्धार पाए।

### 1 कुरिन्थियों 5:8

पौलुस बुराई और दुष्टता की तुलना किससे करता है?

पौलुस उनकी तुलना खमीर से करता है।

### 1 कुरिन्थियों 5:8 (#2)

पौलुस सिधार्थ और सच्चाई के लिए किस रूपक का उपयोग करता है?

पौलुस सिधार्थ और सच्चाई के लिए अखमीरी रोटी के रूपक का उपयोग करता है।

### 1 कुरिन्थियों 5:9

पौलुस ने कुरिन्थ के विश्वासियों से किसके साथ संगति नहीं करने के लिए कहा है?

पौलुस ने उन्हें लिखा है, कि व्यभिचारियों की संगति न करना।

**1 कुरिन्थियों 5:10**

क्या पौलुस का अर्थ यह था कि उन्हें किसी भी व्यभिचारी लोगों के साथ संगति नहीं करनी चाहिए?

पौलुस का अर्थ इस जगत के अनैतिक लोगों से नहीं था। उनसे दूर रहने के लिए इन्हें जगत में से निकल जाना पड़ेगा।

**1 कुरिन्थियों 5:11**

पौलुस का मतलब क्या था जब उसने कुरिन्थ के विश्वासियों से कहा कि उन्हें उनके साथ संगति नहीं करनी चाहिए?

उसका मतलब था कि जो कोई मसीह में भाई या बहन कहलाकर व्यभिचारी, या लोभी, या मूर्तिपूजक, या गाली देनेवाला, या पियक्कड़, या अंधेर करनेवाला हो, तो उसकी संगति नहीं करनी चाहिए।

**1 कुरिन्थियों 5:12**

विश्वासियों को किसका न्याय करना चाहिए?

उन्हें कलीसिया के भीतर वालों का न्याय करना चाहिए।

**1 कुरिन्थियों 5:13**

कलीसिया के बाहर के लोगों का न्याय कौन करता है?

बाहरवालों का न्याय परमेश्वर करता है।

**1 कुरिन्थियों 6:1-3**

पौलुस कुरिन्थुस के पवित्र लोगों को किस बात का न्याय करने में सक्षम होने के लिए कहता है?

पौलुस कहता है कि उन्हें इस जीवन की बातों से संबंधित पवित्र लोगों के बीच होने वाले विवादों का न्याय करने में सक्षम होना चाहिए।

**1 कुरिन्थियों 6:2-3**

पवित्र लोग किसका न्याय करेंगे?

पवित्र लोग जगत और स्वर्गदूतों का न्याय करेंगे।

**1 कुरिन्थियों 6:6**

कुरिन्थ के मसीही अपने विवादों को एक-दूसरे के साथ कैसे निपटा रहे हैं?

एक विश्वासी दूसरे विश्वासी के विरुद्ध अदालत में जाता है, और वह मामला एक ऐसे न्यायाधीश के समक्ष रखा जाता है जो अविश्वासी है।

**1 कुरिन्थियों 6:7**

यह तथ्य कि कुरिन्थ के मसीहियों के बीच विवाद हैं, क्या सूचित करता है?

यह दर्शाता है कि यह उनके लिए एक पराजय है।

**1 कुरिन्थियों 6:9-10**

कौन परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे?

अन्यायी लोग: वेश्यागामी, मूर्तिपूजक, परस्त्रीगामी, लुच्चे, पुरुषगामी, चोर, लोभी, पियक्कड़, गाली देने वाले, और अंधेर करने वाले परमेश्वर के राज्य के वारिस न होंगे।

**1 कुरिन्थियों 6:11**

जो कुरिन्थ के विश्वासी पहले अधर्म का अभ्यास करते थे, उनके साथ क्या हुआ?

वे प्रभु यीशु मसीह के नाम से और हमारे परमेश्वर के आत्मा से धोए गए, पवित्र हुए और धर्मी ठहरे।

**1 कुरिन्थियों 6:12**

पौलुस किस बात के अधीन न होने की कहता है?

पौलुस कहता है कि वह किसी बात के अधीन न होगा।

**1 कुरिन्थियों 6:15**

विश्वासियों की देह किसके अंग हैं?

उनकी देह मसीह के अंग हैं।

**1 कुरिन्थियों 6:15 (#2)**

क्या विश्वासियों को वेश्याओं के साथ संबंध बनाना चाहिए?

नहीं, कदापि नहीं।

### 1 कुरिन्थियों 6:16

जब कोई व्यक्ति वेश्या से संगति करता है, तो क्या होता है?

वे दोनों एक तन होंगे।

### 1 कुरिन्थियों 6:17

जब कोई प्रभु की संगति में रहता है, तो क्या होता है?

वह उसके साथ एक आत्मा हो जाता है।

### 1 कुरिन्थियों 6:18

जब लोग व्यभिचार करते हैं तो वे किसके विरुद्ध पाप करते हैं?

जब वे व्यभिचार करते हैं, तो वे अपनी देह के विरुद्ध पाप करते हैं।

### 1 कुरिन्थियों 6:19-20

विश्वासियों को अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा क्यों करनी चाहिए?

उन्हें अपनी देह के द्वारा परमेश्वर की महिमा करनी चाहिए, क्योंकि उनकी देह पवित्र आत्मा का मंदिर है और क्योंकि दाम देकर मोल लिए गए हैं।

### 1 कुरिन्थियों 7:2

हर एक पुरुष की पत्नी, और हर एक स्त्री का पति क्यों होना चाहिए?

व्यभिचार के डर से अर्थात् कई अनैतिक कार्यों के प्रलोभनों के कारण, हर एक पुरुष की पत्नी, और हर एक स्त्री का पति होना चाहिए।

### 1 कुरिन्थियों 7:4

क्या एक पत्नी या पति को अपनी देह पर अधिकार है?

नहीं। एक पत्नी की देह पर उसके पति का अधिकार होता है, और वैसे ही पति की देह पर उसकी पत्नी का अधिकार होता है।

### 1 कुरिन्थियों 7:5

पति और पत्नी के लिए एक-दूसरे से अलग रहना कब उचित है?

यह उचित है यदि पति और पत्नी दोनों आपस की सहमति से प्रार्थना के लिए अवकाश लेकर अलग रहे।

### 1 कुरिन्थियों 7:8

पौलुस विधवाओं और अविवाहितों के विषय में क्या अच्छा मानता है?

पौलुस कहता है कि उनके लिए ऐसा ही रहना अर्थात् अविवाहित रहना अच्छा है, जैसा वह है।

### 1 कुरिन्थियों 7:9

अविवाहितों और विधवाओं को किस स्थिति में विवाह करना चाहिए?

यदि वे संयम न कर सके और कामातुर हैं तो उन्हें विवाह कर लेना चाहिए।

### 1 कुरिन्थियों 7:10-11

विवाहित लोगों को प्रभु क्या आज्ञा देता है?

पत्नी अपने पति से अलग न हो। और यदि अलग भी हो जाए, तो बिना दूसरा विवाह किए रहे; या अपने पति से फिर मेल कर ले और न पति अपनी पत्नी को छोड़े।

### 1 कुरिन्थियों 7:12-13

क्या एक विश्वासी पति या पत्नी को अपने विश्वास न रखने वाले जीवनसाथी को तलाक देना चाहिए?

यदि अविश्वासी पति या पत्नी अपने साथी के साथ रहने से प्रसन्न हैं, तो विश्वास करने वाले साथी को अविश्वासी को तलाक नहीं देना चाहिए।

**1 कुरिन्थियों 7:15**

यदि किसी विश्वासी का अविश्वासी साथी उसे छोड़ कर चला जाए तो उसे क्या करना चाहिए?

विश्वासी को अविश्वासी साथी से अलग होने देना चाहिए।

**1 कुरिन्थियों 7:17**

पौलुस ने सब कलीसियाओं में कौन सा नियम ठहराया?

नियम यह था: जैसा प्रभु ने हर एक को बाँटा है, और जैसा परमेश्वर ने हर एक को बुलाया है; वैसा ही वह चले।

**1 कुरिन्थियों 7:18**

पौलुस ने खतनारहित और खतना किए हुए लोगों को क्या परामर्श दिया?

पौलुस ने कहा कि जो खतना किया हुआ बुलाया गया हो, वह खतनारहित न बने: जो खतनारहित बुलाया गया हो, वह खतना न कराए।

**1 कुरिन्थियों 7:21-23**

पौलुस ने दासों के विषय में क्या कहा?

यदि वे दास की दशा में बुलाए गए हो तो चिन्ता न करें; परन्तु यदि वे स्वतंत्र हो सके, तो ऐसा ही काम करें। यदि जो दास की दशा में प्रभु में बुलाए गए हैं, वे प्रभु के स्वतंत्र किए हुए हैं। वे मनुष्यों के दास न बने।

**1 कुरिन्थियों 7:26**

पौलुस की समझ में यह क्यों अच्छा था कि एक पुरुष जिसने कभी विवाह नहीं किया, उसके लिए अविवाहित रहना अच्छा है, जैसा कि पौलुस था?

पौलुस ने सोचा कि आजकल क्लेश के कारण मनुष्य जैसा है, वैसा ही रहे अर्थात् अविवाहित रहे।

**1 कुरिन्थियों 7:27**

विश्वासियों को क्या करना चाहिए यदि वे विवाह की प्रतिज्ञा द्वारा किसी महिला से बंधे हों?

उन्हें उस महिला से विवाह की प्रतिज्ञा से अलग होने का यत्न नहीं करना चाहिए।

**1 कुरिन्थियों 7:28**

पौलुस उन लोगों से जो पत्नी से मुक्त हैं और जो अविवाहित हैं, क्यों कहता है, “पत्नी की खोज मत करो।”

उसने ऐसा इसलिए कहा क्योंकि वह उन्हें उन अनेक प्रकार के दुःखों से बचाना चाहता था जो विवाह करने वालों के जीवन में होते हैं।

**1 कुरिन्थियों 7:31**

जो इस संसार के साथ व्यवहार करने वाले हों, उन्हें ऐसा व्यवहार क्यों करना चाहिए मानो उनका संसार के साथ कोई व्यवहार ही न हो?

क्योंकि इस संसार की रीति और व्यवहार बदलते जाते हैं अर्थात् अन्त की ओर है।

**1 कुरिन्थियों 7:33-34**

उन मसीहियों के लिए जो विवाहित हैं, प्रभु के प्रति अपनी अविभाजित भक्ति बनाए रखना कठिन क्यों है?

यह कठिन है क्योंकि एक विश्वासी पति या पत्नी संसार की बातों के बारे में चिंतित रहता है, कि वह अपनी पत्नी या उसके पति को कैसे प्रसन्न करे।

**1 कुरिन्थियों 7:38**

अपनी मंगेतर से विवाह करने वाले से कौन अच्छा करता है?

जो विवाह न करने का निर्णय लेता है, वह और भी अच्छा करता है।

**1 कुरिन्थियों 7:39**

कोई स्त्री अपने पति से कब तक बंधी हुई है?

जब तक किसी स्त्री का पति जीवित रहता है, तब तक वह उससे बंधी हुई है।

**1 कुरिन्थियों 7:39 (#2)**

यदि एक विश्वासी स्त्री का पति मर जाए, तो वह किससे विवाह कर सकती है?

वह जिससे चाहे विवाह कर सकती है, परन्तु केवल प्रभु में।

### 1 कुरिन्थियों 8:1

इस अध्याय में पौलुस किस विषय पर चर्चा आरंभ करता है?

पौलुस मूर्तों के सामने बलि की हुई वस्तुओं के विषय में चर्चा करता है।

### 1 कुरिन्थियों 8:1 (#2)

ज्ञान और प्रेम के क्या फल होते हैं?

ज्ञान घमण्ड उत्पन्न करता है, परन्तु प्रेम से उन्नति होती है।

### 1 कुरिन्थियों 8:4

क्या एक मूर्त परमेश्वर के बराबर हो सकती है?

नहीं। मूर्त जगत में कोई वस्तु नहीं, और एक को छोड़ और कोई परमेश्वर नहीं।

### 1 कुरिन्थियों 8:6

एक ही परमेश्वर कौन है?

एक ही परमेश्वर है: अर्थात् पिता जिसकी ओर से सब वस्तुएँ हैं, और हम उसी के लिए हैं।

### 1 कुरिन्थियों 8:6 (#2)

एक ही प्रभु कौन है?

एक ही प्रभु है, अर्थात् यीशु मसीह जिसके द्वारा सब वस्तुएँ हुई, और हम भी उसी के द्वारा हैं।

### 1 कुरिन्थियों 8:7

क्या होता है जब कोई मूर्त को कुछ समझने के कारण मूर्तों के सामने बलि की हुई को कुछ वस्तु समझकर खाते हैं?

उनका विवेक निर्बल होकर अशुद्ध होता है।

### 1 कुरिन्थियों 8:8

क्या हमारा खाया हुआ भोजन हमें परमेश्वर के प्रति अधिक या कम स्वीकार्य बनाता है?

भोजन हमें परमेश्वर के निकट नहीं पहुँचाता, यदि हम न खाएँ, तो हमारी कुछ हानि नहीं, और यदि खाएँ, तो कुछ लाभ नहीं।

### 1 कुरिन्थियों 8:9

हमें किस बात में चौकस रहना चाहिए कि हमारी स्वतंत्रता किसी के लिए ठोकर का कारण न हो जाए?

हमें चौकस रहना चाहिए कि हमारी यह स्वतंत्रता कहीं निर्बलों के लिए ठोकर का कारण न हो जाए।

### 1 कुरिन्थियों 8:11

अगर मूर्तियों के असली स्वरूप को समझने वाले लोग अपनी आज्ञादी का इस्तेमाल करने में सावधानी नहीं बरतते, तो कमजोर विवेक वाले भाई या बहन के साथ क्या हो सकता है?

एक भाई या बहन निर्बल विवेक के कारण नाश हो जाएगा।

### 1 कुरिन्थियों 8:11-12

जब हम जानबूझकर मसीह में किसी भाई या बहन को उनके निर्बल विवेक के कारण चोट देते हैं तो हम किसके विरुद्ध अपराध करते हैं?

हम उस भाई या बहन के विरुद्ध अपराध करते हैं जिसे हमने चोट दी है, और हम मसीह के विरुद्ध भी अपराध करते हैं।

### 1 कुरिन्थियों 8:13

यदि भोजन उसके भाई या बहन को ठोकर खिलाता है तो पौलुस क्या करने के लिए कहता है?

पौलुस कहता है कि यदि भोजन उसके भाई या बहन को ठोकर खिलाएँ, तो वह कभी फिर माँस नहीं खाएगा।

### 1 कुरिन्थियों 9:1-2

पौलुस ने क्या प्रमाण दिया कि वह एक प्रेरित था?

पौलुस कहता है कि कुरिन्थुस के विश्वासी प्रभु में उसके बनाए हुए हैं, और वे स्वयं प्रभु में उसकी प्रेरिताई पर छाप हैं।

**1 कुरिन्थियों 9:4-5**

**पौलुस ने प्रेरितों, प्रभु के भाइयों और कैफा के कुछ अधिकारों के रूप में क्या उल्लेख किया?**

पौलुस ने कहा कि उनके पास खाने-पीने का अधिकार है और उनके साथ एक मसीही बहन को विवाह करके साथ लिए फिरने का भी अधिकार है।

**1 कुरिन्थियों 9:7**

**पौलुस ने उन लोगों के कौन-कौन से उदाहरण दिए जो अपने काम से लाभ या मजदूरी प्राप्त करते हैं?**

पौलुस ने सिपाही, दाख की बारी लगाने वाला, और भेड़-बकरियों की रखवाली करने वाले का उल्लेख ऐसे लोगों के उदाहरण के रूप में किया है जो अपने काम से लाभ या मजदूरी प्राप्त करते हैं।

**1 कुरिन्थियों 9:9**

**पौलुस ने अपने काम से लाभ या मजदूरी पाने के विचार को समर्थन देने के लिए मूसा की व्यवस्था से कौन सा उदाहरण दिया?**

अपने तर्क का समर्थन करने के लिए, पौलुस ने आज्ञा का उद्धरण दिया, "दाँवते समय चलते हुए बैल का मुँह न बाँधना"।

**1 कुरिन्थियों 9:12**

**पौलुस और उसके साथियों ने कुरिन्थियों से भौतिक लाभ का दावा क्यों नहीं किया?**

पौलुस और उसके साथियों ने इस अधिकार का दावा नहीं किया ताकि मसीह के सुसमाचार की कुछ रोक न हो।

**1 कुरिन्थियों 9:14**

**प्रभु ने सुसमाचार सुनाने वालों के विषय में क्या ठहराया?**

प्रभु ने ठहराया, कि जो लोग सुसमाचार सुनाते हैं, उनकी जीविका सुसमाचार से हो।

**1 कुरिन्थियों 9:16**

**पौलुस किस विषय में घमण्ड नहीं कर सकता था, और वह इस विषय में क्यों घमण्ड नहीं कर सकता?**

पौलुस ने कहा कि वह सुसमाचार सुनाए, तो उसमें कुछ घमण्ड नहीं, क्योंकि यह उसके लिए अवश्य है कि वह सुसमाचार सुनाए।

**1 कुरिन्थियों 9:19**

**पौलुस ने अपने आपको सब का दास क्यों बना दिया?**

पौलुस ने अपने आपको सब का दास बना दिया है; कि अधिक लोगों को प्रभु में खींच लाए।

**1 कुरिन्थियों 9:20**

**यहूदियों को खींच लाने के लिए पौलुस क्या बन गया?**

पौलुस यहूदियों के लिए यहूदी बना कि यहूदियों को खींच लाए।

**1 कुरिन्थियों 9:21**

**पौलुस व्यवस्थाहीनों को खींच लाने के लिए क्या बना?**

पौलुस व्यवस्थाहीनों को खींच लाने के लिए व्यवस्थाहीन सा बना।

**1 कुरिन्थियों 9:23**

**पौलुस ने सुसमाचार के लिए सब कुछ क्यों किया?**

उसने ऐसा इसलिए किया ताकि वह सुसमाचार की आशीषों में सहभागी हो जाए।

**1 कुरिन्थियों 9:24**

**पौलुस ने कैसे दौड़ने के लिए कहा?**

पौलुस ने कहा कि इनाम जीतने के लिए दौड़ो।

**1 कुरिन्थियों 9:25**

**पौलुस किस प्रकार के मुकुट के लिए दौड़ रहा था?**

पौलुस उस मुकुट के लिए दौड़ रहा था जो मुझनि का नहीं।

**1 कुरिन्थियों 9:27**

**पौलुस ने अपनी देह को वश में क्यों किया और उसे एक दास क्यों बना दिया?**

पौलुस ने ऐसा इसलिए किया ताकि औरों को प्रचार करके, वह स्वयं किसी रीति से निकम्मा न ठहरे।

**1 कुरिन्थियों 10:1-4**

**मूसा के समय में उनके पूर्वजों के क्या सामान्य अनुभव थे?**

वे सब पूर्वज बादल के नीचे थे, और सब के सब समुद्र के बीच से पार हो गए। सब ने बादल में, और समुद्र में, मूसा का बपतिस्मा लिया। और सब ने एक ही आत्मिक भोजन किया। सब ने एक ही आत्मिक जल पीया।

**1 कुरिन्थियों 10:4**

**वह आत्मिक चट्टान कौन थी, जो उनके पूर्वजों के साथ-साथ चलती?**

जो उनके साथ-साथ चलती थी, वह चट्टान मसीह था।

**1 कुरिन्थियों 10:6**

**मूसा के समय में परमेश्वर उनके पूर्वजों से प्रसन्न क्यों नहीं था?**

वह प्रसन्न नहीं था, क्योंकि उनके पूर्वजों ने बुरी वस्तुओं का लालच किया।

**1 कुरिन्थियों 10:9-10**

**परमेश्वर ने किस तरह से आज्ञा न मानने वाले और कुड़कुड़ाने वाले लोगों को नाश किया?**

परमेश्वर ने उन्हें साँपों के द्वारा और नाश करनेवाले अर्थात् मृत्यु के दूत के द्वारा नाश किया।

**1 कुरिन्थियों 10:11**

**ये सब बातें क्यों हुई और उन्हें क्यों लिखा गया?**

ये हमारे लिए दृष्टान्त की रीति पर थीं और हमारी चेतावनी के लिए लिखी गई हैं।

**1 कुरिन्थियों 10:13**

**क्या हमारे साथ कोई ऐसी अनोखी परीक्षा हुई?**

हम किसी ऐसी परीक्षा में नहीं पड़े, जो मनुष्य के सहने के बाहर है।

**1 कुरिन्थियों 10:13 (#2)**

**परमेश्वर ने हमें परीक्षा को सहने के लिए योग्य बनाने के लिए क्या किया?**

परमेश्वर ने परीक्षा के साथ निकास भी किया ताकि हम सह सकें।

**1 कुरिन्थियों 10:14**

**पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों को किससे बचे रहने की चेतावनी देता है?**

वह उन्हें मूर्तिपूजा से बचे रहने की चेतावनी देता है।

**1 कुरिन्थियों 10:16**

**धन्यवाद का कटोरा क्या है, जिस पर विश्वासी धन्यवाद देते हैं और वह रोटी क्या है जिसे वे तोड़ते हैं?**

कटोरा मसीह के लहू की सहभागिता है। रोटी मसीह की देह की सहभागिता है।

**1 कुरिन्थियों 10:20**

**अन्यजाति मूर्तिपूजक अपने बलिदान किसे समर्पित करते हैं?**

वे परमेश्वर के लिए नहीं, परन्तु दुष्टात्माओं के लिए बलिदान करते हैं।

**1 कुरिन्थियों 10:20-21**

**क्योंकि पौलुस नहीं चाहता था कि कुरिन्थ के विश्वासियों की दुष्टात्माओं के साथ सहभागी हो, इसलिए वह उन्हें क्या करने से मना करता है?**

पौलुस उनको कहता है कि वे प्रभु के कटोरे और दुष्टात्माओं के कटोरे, दोनों में से नहीं पी सकते! वे प्रभु की मेज और दुष्टात्माओं की मेज दोनों के सहभागी नहीं हो सकते।

**1 कुरिन्थियों 10:22**

यदि हम प्रभु के विश्वासियों के रूप में दुष्टात्माओं के साथ भी सहभागिता करते हैं, तो हम कौन सा खतरा उठाते हैं?

हम प्रभु को क्रोध दिलाने का खतरा उठाते हैं।

**1 कुरिन्थियों 10:24**

क्या हमें अपनी ही भलाई को ढूँढना चाहिए?

नहीं। इसके बजाय, प्रत्येक व्यक्ति को अपने पड़ोसी की भलाई को ढूँढना चाहिए।

**1 कुरिन्थियों 10:27**

यदि कोई अविश्वासी आपको भोजन के लिए नेवता दे, और आप जाना चाहो, तो आपको क्या करना चाहिए?

जो कुछ आपके सामने रखा जाए वही खाओ: और विवेक के कारण कुछ न पूछो।

**1 कुरिन्थियों 10:28-29**

यदि आपका अविश्वासी मेज़बान आपसे कहे कि जो भोजन आप खाने वाले हैं, वह तो मूरत को बलि की हुई वस्तु है तो आपको उसे क्यों नहीं खाना चाहिए?

आपको इसे उस बताने वाले व्यक्ति के कारण और अन्य व्यक्ति के विवेक के कारण नहीं खाना चाहिए।

**1 कुरिन्थियों 10:31**

हमें परमेश्वर की महिमा के लिए क्या करना चाहिए?

हमें सब कुछ, यहाँ तक कि खाना और पीना भी परमेश्वर की महिमा के लिए करना चाहिए।

**1 कुरिन्थियों 10:32-33**

हमें यहूदियों या यूनानियों या परमेश्वर की कलीसिया के लिए ठोकर क्यों नहीं बनना चाहिए?

हमें उनके लिए ठोकर का कारण नहीं बनना चाहिए ताकि वे उद्धार पाएँ।

**1 कुरिन्थियों 11:1**

पौलुस ने कुरिन्थ के विश्वासियों से किसके जैसी चाल चलने के लिए कहा?

पौलुस ने उनसे कहा कि वे उसकी जैसी चाल चले।

**1 कुरिन्थियों 11:1 (#2)**

पौलुस किसके समान चलता था?

पौलुस मसीह के समान चलता था।

**1 कुरिन्थियों 11:2**

पौलुस ने कुरिन्थ के विश्वासियों को किस बात के लिए सराहा?

पौलुस उनकी सराहना करता है कि सब बातों में वे उसे स्मरण करते हैं और जो व्यवहार उसने उन्हें सौंप दिए हैं, उन्हें वे धारण करते हैं।

**1 कुरिन्थियों 11:3**

मसीह का सिर कौन है?

मसीह का सिर परमेश्वर है।

**1 कुरिन्थियों 11:3 (#2)**

पुरुष का सिर कौन है?

पुरुष का सिर मसीह है।

**1 कुरिन्थियों 11:3 (#3)**

एक स्त्री का सिर कौन है?

एक स्त्री का सिर पुरुष है।

**1 कुरिन्थियों 11:4**

जब कोई पुरुष अपना सिर ढाँके हुए प्रार्थना करता है, तो क्या होता है?

यदि वह पुरुष अपना सिर ढाँके हुए प्रार्थना करता है, तो वह अपने सिर का अपमान करता है।

**1 कुरिन्थियों 11:5**

**जब एक स्त्री बिना सिर ढके प्रार्थना करती है, तो क्या होता है?**

जो स्त्री बिना सिर ढके प्रार्थना करती है, वह अपने सिर का अपमान करती है।

**1 कुरिन्थियों 11:7**

**एक पुरुष को अपना सिर ढाँकना उचित क्यों नहीं है?**

एक पुरुष को अपना सिर ढाँकना उचित नहीं, क्योंकि वह परमेश्वर का स्वरूप और महिमा है।

**1 कुरिन्थियों 11:9**

**स्त्री किसके लिए सिरजी गई?**

स्त्री पुरुष के लिए सिरजी गई है।

**1 कुरिन्थियों 11:11-12**

**स्त्री और पुरुष एक-दूसरे पर निर्भर क्यों होते हैं?**

क्योंकि जैसे स्त्री पुरुष से है, वैसे ही पुरुष स्त्री के द्वारा है।

**1 कुरिन्थियों 11:14-15**

**पौलुस क्या कहता है कि स्वाभाविक रीति हमें पुरुषों और महिलाओं के लंबे बालों के बारे में क्या सिखाती है?**

पौलुस कहता है कि स्वाभाविक रीति यह दर्शाती है कि यदि पुरुष लंबे बाल रखे तो उसके लिए अपमान है, परन्तु यदि स्त्री लम्बे बाल रखे तो उसके लिए शोभा है।

**1 कुरिन्थियों 11:19**

**कुरिन्थ के मसीहियों में गुट क्यों होना चाहिए?**

उनके बीच गुट अवश्य होना चाहिए ताकि जो खरे निकले हैं, वे प्रगट हो जाएँ।

**1 कुरिन्थियों 11:21**

**जब कुरिन्थ की कलीसिया भोजन के लिए एकत्रित होती थी, तब क्या हो रहा था।**

जब वे भोजन करने लगे तो एक, दूसरे से पहले अपना भोज खा लेता है, तब कोई भूखा रहता है, और कोई मतवाला हो जाता है।

**1 कुरिन्थियों 11:23-24**

**जिस रात उसे पकड़वाया गया, रोटी तोड़ने के बाद प्रभु ने क्या कहा?**

उसने कहा, "यह मेरी देह है, जो तुम्हारे लिए है: मेरे स्मरण के लिए यही किया करो।"

**1 कुरिन्थियों 11:25**

**बियारी के बाद कटोरा लेकर प्रभु ने क्या कहा?**

उसने कहा, "यह कटोरा मेरे लहू में नई वाचा है: जब कभी पीओ, तो मेरे स्मरण के लिए यही किया करो।"

**1 कुरिन्थियों 11:26**

जब कभी आप यह रोटी खाते, और इस कटोरे में से पीते हो तो आप क्या कर रहे होते हो?

आप प्रभु की मृत्यु को जब तक वह न आए, प्रचार करते हो।

**1 कुरिन्थियों 11:27**

**क्यों किसी व्यक्ति को प्रभु की रोटी खाने या कटोरे में से पीने को अनुचित तरीके से नहीं करना चाहिए?**

ऐसा करने से वह प्रभु की देह और लहू का अपराधी ठहरेगा।

**1 कुरिन्थियों 11:29**

**जो व्यक्ति बिना पहचाने रोटी खाता है या कटोरे में से पीता है, उसके साथ क्या होता है?**

ऐसा करने पर, वह व्यक्ति इस खाने और पीने से अपने ऊपर दण्ड लाता है।

**1 कुरिन्थियों 11:30**

**कुरिन्थ की कलीसिया में से उन अनेक लोगों के साथ क्या हुआ जिन्होंने अनुचित रीति से प्रभु की रोटी खाई और उसके कटोरे में से पिया?**

उनमें से बहुत से निर्बल और रोगी हैं, और बहुत से सो भी गए।

### 1 कुरिन्थियों 11:33

जब कुरिन्थ के विश्वासी खाने के लिए इकट्ठे होते हैं तो पौलुस उनसे क्या करने के लिए कहता है?

वह उन्हें एक-दूसरे के लिए ठहरने के लिए कहता है।

### 1 कुरिन्थियों 12:1

पौलुस कुरिन्थ के मसीहियों को किस विषय में जानकारी देना चाहता है?

पौलुस चाहता है कि वे आत्मिक वरदानों के विषय में अज्ञात न रहे।

### 1 कुरिन्थियों 12:3

जो कोई परमेश्वर के आत्मा की अगुआई से बोलता है वह क्या नहीं कहता है?

वह यह नहीं कह सकता, "यीशु शापित है।"

### 1 कुरिन्थियों 12:3 (#2)

कोई कैसे कह सकता है, "यीशु प्रभु है"?

केवल पवित्र आत्मा के द्वारा ही कोई कह सकता है, "यीशु प्रभु है"।

### 1 कुरिन्थियों 12:4-6

परमेश्वर हर विश्वासी में क्या संभव करता है?

वह हर विश्वासी में विभिन्न वरदान, विभिन्न सेवाएँ, और विभिन्न प्रकार के कार्य संभव करता है।

### 1 कुरिन्थियों 12:7

आत्मा का प्रकाश क्यों दिया जाता है?

यह सब के लाभ पहुँचाने के लिए दिया जाता है।

### 1 कुरिन्थियों 12:9-10

आत्मा द्वारा प्रदान किए गए कुछ वरदान क्या हैं?

इन वरदानों में विश्वास, चंगा करना, सामर्थ्य के काम, भविष्यवाणी, आत्माओं की परख, अनेक प्रकार की भाषा और भाषाओं का अर्थ बताना शामिल है।

### 1 कुरिन्थियों 12:11

यह कौन चुनता है कि किसको कौनसा वरदान मिलेगा?

आत्मा प्रत्येक व्यक्ति को जो चाहता है वह बाँट देता है।

### 1 कुरिन्थियों 12:13

सभी मसीहियों को किसमें बपतिस्मा दिया गया था?

हम सब ने एक देह होने के लिए बपतिस्मा लिया और हम सबको एक ही आत्मा पिलाया गया है।

### 1 कुरिन्थियों 12:18

देह के प्रत्येक अंग को किसने व्यवस्थित किया और रचा?

परमेश्वर ने अंगों को एक-एक करके देह में रखा और रचा।

### 1 कुरिन्थियों 12:22

क्या हम उन शरीर के अंगों के बिना काम कर सकते हैं जो निर्बल देख पड़ते हैं?

नहीं। देह के वे अंग जो औरों से निर्बल देख पड़ते हैं, बहुत ही आवश्यक हैं।

### 1 कुरिन्थियों 12:24

परमेश्वर ने शरीर के उन अंगों के लिए क्या किया है, जिनको घटी थी?

परमेश्वर ने देह को ऐसा बना दिया है, कि जिस अंग को घटी थी उसी को और भी बहुत आदर हो।

### 1 कुरिन्थियों 12:25

परमेश्वर ने देह के उन अंगों को अधिक आदर क्यों दिया जिन्हें इसकी आवश्यकता थी?

उसने ऐसा इसलिए किया ताकि देह में फूट न पड़े, परन्तु अंग एक दूसरे की बराबर चिन्ता करें।

### 1 कुरिन्थियों 12:28

**परमेश्वर ने कलीसिया में किसे नियुक्त किया है?**

परमेश्वर ने कलीसिया में अलग-अलग व्यक्ति नियुक्त किए हैं; प्रथम प्रेरित, दूसरे भविष्यद्वक्ता, तीसरे शिक्षक, फिर सामर्थ्य के काम करनेवाले, फिर चंगा करनेवाले, और उपकार करनेवाले, और प्रधान, और नाना प्रकार की भाषा बोलनेवाले।

### 1 कुरिन्थियों 12:31

**पौलुस कुरिन्थ के मसीहियों से किसकी धुन में रहने के लिए कहता है?**

वह उनसे बड़े से बड़े वरदानों की धुन में रहने को कहता है।

### 1 कुरिन्थियों 12:31 (#2)

**पौलुस कुरिन्थ के मसीहियों को क्या बताता है?**

वह उन्हें सबसे उत्तम मार्ग बताता है।

### 1 कुरिन्थियों 13:1

**यदि पौलुस मनुष्यों और स्वर्गदूतों की बोलियाँ बोले, परन्तु वह प्रेम न रखे, तो वह क्या बन जाएगा?**

वह एक ठनठनाता हुआ पीतल, और झंझनाती हुई झाँझ बन जाएगा।

### 1 कुरिन्थियों 13:2

**यदि पौलुस के पास भविष्यवाणी का वरदान होता, वह सब भेदों और सब प्रकार के ज्ञान को समझता और उसके पास बड़ा विश्वास होता, लेकिन प्रेम नहीं रखता, तो वह क्या होता।**

प्रेम के बिना, वह कुछ भी नहीं होता।

### 1 कुरिन्थियों 13:3

**पौलुस अपनी सम्पूर्ण सम्पत्ति कंगालों को खिला दे और अपनी देह जलाने के लिए दे दे, फिर भी उसे कैसे कुछ भी लाभ नहीं?**

यदि वह प्रेम न रखे, तो उसे कुछ भी लाभ नहीं, यहाँ तक कि वह ये सब कुछ कर ले।

### 1 कुरिन्थियों 13:5-7

**प्रेम की कुछ विशेषताएँ क्या होती हैं?**

प्रेम धीरजवन्त है, और कृपालु है; प्रेम डाह नहीं करता; प्रेम अपनी बड़ाई नहीं करता, और फूलता नहीं। अशोभनीय व्यवहार नहीं करता, वह अपनी भलाई नहीं चाहता, झुँझलाता नहीं, बुरा नहीं मानता। कुकर्म से आनन्दित नहीं होता, परन्तु सत्य से आनन्दित होता है। वह सब बातें सह लेता है, सब बातों पर विश्वास करता है, सब बातों की आशा रखता है, सब बातों में धीरज धरता है।

### 1 कुरिन्थियों 13:8

**क्या कभी टलता नहीं है?**

प्रेम कभी टलता नहीं।

### 1 कुरिन्थियों 13:8-10

**वे कौन सी चीजें हैं जो समाप्त हो जाएंगी या मौन हो जाएंगी?**

भविष्यवाणियाँ समाप्त हो जाएँगी, ज्ञान मिट जाएगा और जो अधूरा है, वह मिट जाएगा, और भाषाएँ मौन हो जाएँगी।

### 1 कुरिन्थियों 13:11

**पौलुस ने क्या कहा, जब पौलुस सयाना हो गया तो उसने क्या किया?**

पौलुस ने कहा कि जब वह सयाना हो गया, तो बालकों की बातें छोड़ दी।

### 1 कुरिन्थियों 13:13

**कौन सी तीन चीजें स्थायी हैं, और इनमें सबसे बड़ी क्या है?**

विश्वास, आशा और प्रेम स्थायी हैं। इनमें सबसे बड़ा प्रेम है।

### 1 कुरिन्थियों 14:1

कौन से आत्मिक वरदान के लिए पौलुस ने विशेष करके धुन में रहने के लिए कहा है?

पौलुस ने कहा कि हमें विशेष करके भविष्यवाणी की धुन रहना चाहिए।

### 1 कुरिन्थियों 14:2

जो अन्य भाषा में बातें करता है, वह किससे बातें करता है?

वह मनुष्यों से नहीं, परन्तु परमेश्वर से बातें करता है।

### 1 कुरिन्थियों 14:3-4

जो भविष्यवाणी करता है वह किसकी उन्नति करता है और जो अन्य भाषा में बातें करता है, वह किसकी उन्नति करता है?

जो भविष्यवाणी करता है, वह कलीसिया अर्थात् लोगों की उन्नति करता है, लेकिन जो अन्य भाषा में बातें करता है वह अपनी ही उन्नति करता है।

### 1 कुरिन्थियों 14:7-9

पौलुस उस बात की तुलना किससे करता है जिसे कोई समझ नहीं सकता?

वह इसकी तुलना उन वाद्ययंत्रों से करता है जैसे बाँसुरी या बीन, जिनके स्वरों में भेद न हो, और ऐसी तुरही से करता है जिसके शब्द साफ़ न हो।

### 1 कुरिन्थियों 14:12

पौलुस कुरिन्थ के विश्वासियों को किस बात की धुन में रहने के लिए कहता है?

वह कहता है कि उन्हें वरदानों की उन्नति से कलीसिया की उन्नति होने की धुन में रहना चाहिए।

### 1 कुरिन्थियों 14:13

जो व्यक्ति अन्य भाषा में बोलता है, उसे क्या प्रार्थना करनी चाहिए?

वह प्रार्थना करे, कि उसका अनुवाद भी कर सके।

### 1 कुरिन्थियों 14:14

जब पौलुस अन्य भाषा में प्रार्थना करता है, तो उसकी आत्मा और बुद्धि क्या करती हैं?

पौलुस ने कहा कि जब वह अन्य भाषा में प्रार्थना करता है, तो उसकी आत्मा प्रार्थना करती है, परन्तु उसकी बुद्धि काम नहीं देती।

### 1 कुरिन्थियों 14:15

पौलुस ने कैसे प्रार्थना करने और गाने के लिए कहा?

पौलुस ने कहा कि वह आत्मा से भी प्रार्थना करेगा, और बुद्धि से भी प्रार्थना करेगा; आत्मा से भी गाएगा, और बुद्धि से भी गाएगा।

### 1 कुरिन्थियों 14:19

पौलुस को दस हजार बातें कहने से और भी अच्छा क्या जान पड़ता है?

पौलुस ने कहा कि औरों के सिखाने के लिए बुद्धि से पाँच ही बातें कहे।

### 1 कुरिन्थियों 14:22

भाषाएँ और भविष्यवाणी किसके लिए एक चिन्ह हैं?

भाषाएँ अविश्वासियों के लिए एक चिन्ह हैं, और भविष्यवाणी विश्वासियों के लिए एक चिन्ह है।

### 1 कुरिन्थियों 14:23

यदि कलीसिया में सब के सब अन्य भाषा बोले और बाहरवाले और अविश्वासी लोग कलीसिया के भीतर आएँ, तो वे संभवतः क्या कहेंगे?

वे शायद विश्वासियों को पागल कहेंगे।

**1 कुरिन्थियों 14:24**

पौलुस के अनुसार क्या होगा यदि कलीसिया में सभी लोग भविष्यद्वाणी कर रहे हों और कोई अविश्वासी या बाहर वाला मनुष्य भीतर आ जाए?

पौलुस कहता है कि अविश्वासी या बाहरी व्यक्ति जो कुछ सुनता है, उससे सब उसे दोषी ठहरा देंगे और परख लेंगे।

**1 कुरिन्थियों 14:25**

यदि भविष्यद्वाक्ता उसके मन के भेदों को प्रकट करें तो अविश्वासी या बाहरी व्यक्ति क्या करेगा?

वह मुँह के बल गिरकर परमेश्वर को दण्डवत् करेगा, और मान लेगा, कि सचमुच परमेश्वर उनके बीच में था।

**1 कुरिन्थियों 14:27-28**

जब विश्वासी एकत्र होते हैं, तो पौलुस का उन लोगों के लिए क्या निर्देश है जो अन्य भाषाओं में बोलते हैं?

वह कहता है कि दो-दो, या बहुत हो तो तीन-तीन जन बारी-बारी बोलें। यदि अनुवाद करनेवाला न हो, तो अन्य भाषा बोलनेवाला कलीसिया में शान्त रहे।

**1 कुरिन्थियों 14:29-30**

जब कलीसिया इकट्ठी होती है, तो पौलुस भविष्यद्वाक्ताओं को क्या निर्देश देता है?

पौलुस कहता है कि भविष्यद्वाक्ताओं में से दो या तीन बोलें, और शेष लोग उनके वचन को परखें। परन्तु यदि दूसरे पर जो बैठा है, कुछ ईश्वरीय प्रकाश हो, तो पहला चुप हो जाए।

**1 कुरिन्थियों 14:34**

पौलुस ने कहाँ पर स्त्रियों को बातें करने की अनुमति नहीं होने की बात कही है?

पौलुस ने कहा कि स्त्रियों को कलीसिया में बातें करने की अनुमति नहीं है।

**1 कुरिन्थियों 14:35**

यदि स्त्रियाँ कुछ सीखना चाहे, तो पौलुस ने उन्हें क्या करने के लिए कहा?

पौलुस ने उन्हें घर में अपने-अपने पतियों से पूछने के लिए कहा।

**1 कुरिन्थियों 14:35 (#2)**

लोग कलीसिया में बोलने वाली स्त्री को लोग कैसे देखते थे?

इसे लज्जा की बात के रूप में देखा जाता था।

**1 कुरिन्थियों 14:37**

जो लोग स्वयं को भविष्यद्वाक्ता या आत्मिक समझते हैं, पौलुस ने उन्हें क्या जानने के लिए कहा?

पौलुस ने कहा कि उन्हें यह जानना चाहिए कि जो बातें वह कुरिन्थ के विश्वासियों को लिखता है, वे प्रभु की आज्ञाएँ हैं।

**1 कुरिन्थियों 14:40**

कलीसिया में सब कुछ कैसे किया जाना चाहिए?

सारी बातें सभ्यता और क्रमानुसार की जाएँ।

**1 कुरिन्थियों 15:1**

पौलुस ने भाइयों और बहनों को किस विषय की याद दिलाई?

उसने उन्हें वही सुसमाचार बताया जो पहले सुना चूका था।

**1 कुरिन्थियों 15:2**

यदि कुरिन्थियों को पौलुस द्वारा प्रचारित सुसमाचार के माध्यम से उद्धार प्राप्त करना था, तो उन्हें कौन सी शर्त को पूरी करनी थी?

पौलुस ने कहा कि उसी के द्वारा उनका उद्धार भी होगा, यदि उस सुसमाचार को जो उसने उन्हें सुनाया था, स्मरण रखते हैं।

**1 कुरिन्थियों 15:3-5**

सुसमाचार की कौन सी बात सबसे महत्वपूर्ण थी?

सबसे महत्वपूर्ण बात यह थी कि यीशु मसीह हमारे पापों के लिए मर गया। और गाड़ा गया; और पवित्रशास्त्र के अनुसार तीसरे दिन जी भी उठा।

**1 कुरिन्थियों 15:5-8**

मृतकों में से जी उठने के बाद मसीह किस- किस को दिखाई दिया?

मृतकों में से जी उठने के बाद मसीह कैफा को तब बारहों को दिखाई दिया। फिर पाँच सौ से अधिक भाइयों को एक साथ दिखाई दिया, फिर याकूब को दिखाई दिया तब सब प्रेरितों को दिखाई दिया।

**1 कुरिन्थियों 15:9**

पौलुस ने क्यों कहा कि वह प्रेरितों में सबसे छोटा है?

उसने यह इसलिए कहा क्योंकि उसने परमेश्वर की कलीसिया को सताया था।

**1 कुरिन्थियों 15:12**

पौलुस ने कुरिन्थ के कुछ विश्वासियों द्वारा पुनरुत्थान के विषय में कही गई बातों का क्या अर्थ लगाया?

उन्होंने संकेत दिया कि उनमें से कुछ कह रहे थे कि मरे हुआ का पुनरुत्थान है ही नहीं।

**1 कुरिन्थियों 15:13-14**

यदि मरे हुआ का पुनरुत्थान ही नहीं, तो पौलुस क्या सत्य होने के लिए कहता है?

पौलुस कहता है कि यदि मरे हुआ का पुनरुत्थान ही नहीं, तो मसीह भी नहीं जी उठा। पौलुस और अन्यो का प्रचार करना भी व्यर्थ है; और कुरिन्थ वासियों का विश्वास भी व्यर्थ है।

**1 कुरिन्थियों 15:18**

यदि मसीह नहीं जी उठा, तो जो मसीह में सो गए हैं उनका क्या हुआ?

वे भी नाश हुए।

**1 कुरिन्थियों 15:19**

यदि हम केवल इस जीवन में ही मसीह में आशा रखते हैं, तो पौलुस क्या कहता है कि सत्य है?

यदि ऐसा है, तो पौलुस कहता है कि हम सब मनुष्यों से अधिक अभागे हैं।

**1 कुरिन्थियों 15:20**

पौलुस मसीह को क्या कहता है?

वह मसीह को "जो सो गए हैं, उनमें पहला फल" कहता है।

**1 कुरिन्थियों 15:22**

वह मनुष्य कौन था जिसके द्वारा मृत्यु संसार में आई, और वह मनुष्य कौन है जिसके द्वारा सब जिलाए जाएँगे?

आदम के द्वारा संसार में मृत्यु आई, और मसीह के द्वारा सब जिलाए जाएँगे।

**1 कुरिन्थियों 15:22-23**

जो मसीह के हैं, उन्हें कब जिलाया जाएगा?

यह तब होगा जब मसीह आएगा।

**1 कुरिन्थियों 15:24**

अंत में क्या घटित होगा?

मसीह सारी प्रधानता और सारा अधिकार और सामर्थ्य का अन्त करके राज्य को परमेश्वर पिता के हाथ में सौंप देगा।

**1 कुरिन्थियों 15:25**

मसीह को कब तक राज्य करना अवश्य है?

जब तक कि वह अपने बैरियों को अपने पाँवों तले न ले आए, तब तक उसका राज्य करना अवश्य है।

**1 कुरिन्थियों 15:26**

नाश किया जाने वाला अंतिम बैरी कौन है?

सबसे अन्तिम बैरी जो नाश किया जाएगा वह मृत्यु है।

**1 कुरिन्थियों 15:27**

जब यह कहा जाता है, कि "परमेश्वर ने सब कुछ उसके पाँवों तले कर दिया है" तो इसमें कौन शामिल नहीं है?

परमेश्वर, जिसने सब कुछ मसीह के अधीन कर दिया, वह आप उस अधीनता से अलग रहा।

**1 कुरिन्थियों 15:28**

पुत्र क्या करेगा ताकि सब में परमेश्वर पिता ही सब कुछ हो?

पुत्र आप भी उसके अधीन हो जाएगा जिसने सब कुछ उसके अधीन कर दिया।

**1 कुरिन्थियों 15:32**

यदि मुर्दे जिलाए नहीं जाएँगे तो पौलुस ने क्या घोषणा की कि उन्हें ऐसा करना चाहिए?

पौलुस ने घोषणा की, "आओ, खाएँ-पीएँ, क्योंकि कल तो मर ही जाएँगे।"

**1 कुरिन्थियों 15:34**

पौलुस कुरिन्थवासियों को क्या करने के लिए कहता है?

वह उन्हें संयमित रहने, धार्मिकता के लिए जाग उठने और पाप न करने के लिए कहता है।

**1 कुरिन्थियों 15:34 (#2)**

पौलुस कुरिन्थियों की लज्जा के विषय में क्या कहता है?

उसने कहा कि उनमें से कितने ऐसे हैं जो परमेश्वर को नहीं जानते।

**1 कुरिन्थियों 15:35-38**

पौलुस मुर्दों के जी उठने की तुलना किससे करता है?

वह इसकी तुलना एक बीज से करता है जो बोया जाता है।

**1 कुरिन्थियों 15:36**

एक बीज के बढ़ने से पहले उसे क्या होना आवश्यक है?

इसे मरना पड़ेगा।

**1 कुरिन्थियों 15:37**

क्या बोया गया बीज, उस देह (पौधा) के समान होता है जो बीज से उत्पन्न होने वाली है?

नहीं, जो आप बोते हैं, यह वह देह नहीं जो उत्पन्न होनेवाली है।

**1 कुरिन्थियों 15:39**

क्या सब शरीर एक समान है?

नहीं। सब शरीर एक समान नहीं; मनुष्यों का शरीर और है, पशुओं का शरीर और है; पक्षियों का शरीर और है; मछलियों का शरीर और है।

**1 कुरिन्थियों 15:40**

क्या अन्य प्रकार की देहें भी हैं?

स्वर्गीय देह है, और पार्थिव देह भी है।

**1 कुरिन्थियों 15:41**

क्या सूर्य, चंद्रमा और तारे सभी एक ही तेज साझा करते हैं?

सूर्य का तेज और है, चाँद का तेज और है, और तारागणों का तेज और है, क्योंकि एक तारे से दूसरे तारे के तेज में अन्तर है।

**1 कुरिन्थियों 15:42-44**

हमारे शरीर किस दशा में बोए जाते हैं?

वे नाशवान, अनादर और निर्बलता की दशा में बोए जाते हैं।

**1 कुरिन्थियों 15:42-44 (#2)**

जब हम मुर्दों में से जी उठेंगे, तो हमारी स्थिति क्या होगी?

जो जी उठता है वह अविनाशी आत्मिक शरीर है; यह तेज और सामर्थ्य के साथ जी उठता है।

**1 कुरिन्थियों 15:45**

प्रथम मनुष्य आदम क्या बना?

वह एक जीवित प्राणी बना।

**1 कुरिन्थियों 15:45 (#2)**

अंतिम आदम क्या बना?

अन्तिम आदम, जीवनदायक आत्मा बना।

**1 कुरिन्थियों 15:47**

पहला मनुष्य और दूसरा मनुष्य कहाँ से आए?

प्रथम मनुष्य धरती से अर्थात् मिट्टी से; दूसरा मनुष्य स्वर्ग से।

**1 कुरिन्थियों 15:49**

हमने किसका रूप धारण किया और किसका रूप धारण करेंगे?

हमने उसका रूप जो मिट्टी का था धारण किया और उस स्वर्गीय का रूप धारण करेंगे।

**1 कुरिन्थियों 15:50**

परमेश्वर के राज्य का उत्तराधिकारी क्या नहीं हो सकता?

माँस और लहू परमेश्वर के राज्य के अधिकारी नहीं हो सकते।

**1 कुरिन्थियों 15:51**

हम सबके साथ क्या घटित होगा?

हम सब बदल जाएँगे।

**1 कुरिन्थियों 15:52**

हम कब और कितनी शीघ्रता से बदल जाएँगे?

यह क्षण भर में, पलक मारते ही अन्तिम तुरही फूँकते ही होगा।

**1 कुरिन्थियों 15:54**

जब यह नाशवान अविनाशी को पहन लेगा और यह मरनहार अमरता को पहन लेगा, तब क्या होगा?

जय मृत्यु को निगल जाएगी।

**1 कुरिन्थियों 15:56**

मृत्यु का डंक क्या है और पाप का बल क्या है?

मृत्यु का डंक पाप है; और पाप का बल व्यवस्था है।

**1 कुरिन्थियों 15:57**

परमेश्वर हमें किसके द्वारा जयवंत करता है?

परमेश्वर हमारे प्रभु यीशु मसीह के द्वारा हमें जयवन्त करता है!

**1 कुरिन्थियों 15:58**

पौलुस ने कुरिन्थ के भाइयों और बहनों को दृढ़, अटल और प्रभु के काम में सदैव बढ़ते रहने के लिए कहने का क्या कारण बताया?

वह उन्हें यह करने के लिए कहता है क्योंकि वे यह जानते हैं कि उनका परिश्रम प्रभु में व्यर्थ नहीं है।

**1 कुरिन्थियों 16:1**

पौलुस ने कुरिन्थुस की कलीसिया के समान पवित्र लोगों के लिए चंदा इकठ्ठा करने के विषय में किसे निर्देश दिया?

पौलुस ने गलातिया की कलीसिया को उसी प्रकार निर्देशित किया जैसे उसने कुरिन्थुस की कलीसिया को निर्देशित किया।

**1 कुरिन्थियों 16:2**

पौलुस ने कुरिन्थुस की कलीसिया से अपना चंदा कैसे इकठ्ठा करने के लिए कहा?

उसने उनसे कहा कि सप्ताह के पहले दिन उनमें से हर एक अपनी आमदनी के अनुसार कुछ अपने पास रख छोड़ा करे, कि पौलुस के आने पर चन्दा न करना पड़े।

**1 कुरिन्थियों 16:3**

दान किसको पहुँचाया जा रहा था?

यह दान यरूशलेम के पवित्र लोगों को पहुँचाया जा रहा था।

**1 कुरिन्थियों 16:5**

पौलुस कुरिन्थुस में कलीसिया के पास कब आने वाला था?

उसने कहा कि वह मकिदुनिया से होकर उनके पास आएगा।

**1 कुरिन्थियों 16:7**

पौलुस कुरिन्थुस में पवित्र लोगों से मार्ग में थोड़े समय के लिए क्यों नहीं मिलना चाहता था?

यदि प्रभु चाहे तो पौलुस कुछ समय तक उनके साथ रहना चाहता था।

**1 कुरिन्थियों 16:8-9**

पौलुस पिन्तेकुस्त तक इफिसुस में क्यों रुकना चाहता था?

पौलुस इफिसुस में रुकना चाहता था, क्योंकि उसके लिए एक बड़ा और उपयोगी द्वार खुला था, और वहाँ बहुत से विरोधी थे।

**1 कुरिन्थियों 16:10**

तीमुथियुस क्या करता था?

वह पौलुस के समान प्रभु का काम करता था।

**1 कुरिन्थियों 16:10-11**

पौलुस ने कुरिन्थुस की कलीसिया को तीमुथियुस के संबंध में क्या करने का निर्देश दिया?

पौलुस ने कुरिन्थुस की कलीसिया से कहा कि वे देखें कि तीमुथियुस उनके यहाँ निडर रहे। पौलुस ने उनसे यह भी कहा कि कोई उसे तुच्छ न जाने, परन्तु उसे कुशल से इस ओर पहुँचा दे।

**1 कुरिन्थियों 16:12**

पौलुस ने अपुल्लोस से क्या करने के लिए दृढ़ता से प्रेरित किया?

पौलुस ने अपुल्लोस को कुरिन्थुस में पवित्र लोगों से मिलने के लिए दृढ़ता से प्रेरित किया।

**1 कुरिन्थियों 16:15**

कुरिन्थियों में से किन लोगों ने स्वयं को पवित्र लोगों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया था?

स्तिफनास के घराने ने स्वयं को पवित्र लोगों की सेवा के लिए समर्पित कर दिया था।

**1 कुरिन्थियों 16:16**

पौलुस ने कुरिन्थ के पवित्र लोगों से स्तिफनास के घराने के प्रति क्या करने की विनती की?

पौलुस ने उन्हें ऐसे लोगों के अधीन रहने के लिए कहा।

**1 कुरिन्थियों 16:17-18**

स्तिफनास, फूरतूनातुस, और अखइकुस ने पौलुस के लिए क्या किया था?

उन्होंने कुरिन्थ के पवित्र लोगों की घटी को पूरा किया और पौलुस की आत्मा को चैन दिया।

**1 कुरिन्थियों 16:19-20**

कुरिन्थुस में कलीसिया को अपना नमस्कार किस-किस ने भेजा?

आसिया की कलीसियाएँ, अक्विला और प्रिस्का, और सब भाई और बहनें अपना कुरिन्थुस की कलीसिया को नमस्कार भेजते हैं।

**1 कुरिन्थियों 16:22**

पौलुस ने उन लोगों के बारे में क्या कहा जो प्रभु से प्रेम नहीं रखते हैं?

पौलुस ने कहा, "यदि कोई प्रभु से प्रेम न रखे तो वह शापित हो"।